GREENLAWNS HIGH SCHOOL
FINAL EXAMINATION YEAR 2020

SUBJECT : HINDI | CLASS : IX
TIME : 3 HOURS | MARKS : 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the **first 15 minutes**.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections: **Section A and Section B**
Attempt **All** the questions from Section A
Attempt any **four** questions from Section B, answering at least one question each from the two books. You have studied and any two other questions from the same books you have compulsorily chosen.

Section – A (40 marks)
(Attempt all questions)

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५).

१) 'भारत का बदलता रुप' विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए तथा बताइए कि आज किन क्षेत्रों में भारत में बदलाव आ रहा है तथा वह किस प्रकार भारतवासियों के लिए हितकर है ?

२) आज सारा विश्व चिन्तित है – वातावरण और वायुमण्डल के अस्वस्थ होने पर । इस प्रदूषण से केवल शहर ही प्रभावित नहीं हो रहे हैं अपितु गाँव भी। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए जो भी उपाय आपके विचार में किए जा सकते हैं लिखिए।

३) आदर्श विद्यार्थी का क्या मतलब होता है ? वह अपने राष्ट्र की प्रगति तथा उसके उज्ज्वल भविष्य में कैसे सहायक होते हैं ?

४) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसकी शुरुवात प्रस्तुत वाक्य से किया गया हो- 'परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है।'

५) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिये, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिये: (७)

१) गाँव के निकट स्थित कारखाने से अपद्रव्य बहाए जाने के कारण आपके गाँव के पेयजल स्रोतों का पानी प्रदूषित हो गया है। इस गंभीर समस्या पर तत्काल उपाय करने के लिए राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए।

२) किसी चौराहे पर स्कूल जाने की उम्र में किसी लड़की को भीख माँगता देखकर आपके मन में क्या भाव उठे ? अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखकर बताइए।

प्रश्न ३. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

आज जिस गति से मान्यताएँ बदल रही हैं, वह वास्तव में बड़ी ही गम्भीरतापूर्वक विचारणीय प्रश्न है। संसार के समस्त सुख समाधान मानव जीवन को खुशहाल बनाने के लिए ही जुटाए जाते हैं, किंतु यदि मानव उन्हें जुटाने में मानवता ही खो बैठे तो वह मनुष्य कहलाने का अधिकारी ही नहीं और जब हम मनुष्यत्व ही खो बैठे तो वह मनुष्य कहलाने का अधिकारी ही नहीं और जब हम मनुष्यत्व ही खो बैठे तो फिर हमारे पास बचा ही क्या ?

सचमुच तीव्रतर गति से दौड़ती भागती जिन्दगी एक ओर तो बड़ी ही सम्पन्न प्रतीत होती है किन्तु हम जान भी नहीं पा रहे हैं दूसरी ओर अधिक तीव्र गति से यह सम्पन्नता हमें विपन्नता के उस गर्त में गिराती जा रही है जहाँ से निकलना कदाचित असंभव ही होगा। आज अधिकाशंता मनुष्यों के लिए दया, प्रेम, स्नेह, क्षमा, मान-सम्मान, त्याग, तपस्या आदि शब्दकोश तक ही सीमित रह गये हैं। हम में से अधिकांश अपने निजी क्षुद्र स्वार्थ के लिए इस महान मानव जीवन की इन अवधारणाओं को बड़े ही सहज रुप में ताक पर उठा कर रख देते हैं। पग –पग पर उचित-अनुचित का ज्ञान करनेवाली ''गार्ड'' स्वरुप हमारी अन्तरात्मा भी आज आधुनिक बन गई है। वह भी प्राय: घोड़े बेचकर सो जाया करती है और मानव रुपी इस प्राणी को बेलगाम घोड़े की भांति स्वच्छन्द छोड़ देती है।

किन्तु समय परिवर्तनशील है। जब ''त्रेतायुग'' जिसमें सिंह और मृग एक घाट पर पानी पीते थे, जब मानव में मानवता रग-रग में समाई थी, परिवर्तित हुआ, तो आज कलियुग जिसमें संतान माता-पिता का सम्मान करने कि लिए भी सोचती है, शिष्य गुरु के प्रति श्रध्दावान नहीं, भाई-भाई को वैरी बन बैठता है, मित्रता की परिभाषा बदल गई, पहले जैसा समय भी नहीं रहेगा।

दीपक की लौ बुझते समय अधिक तेज हो जाती है। पुन:जली बत्ती हटाकर काला तेल निकाल कर, दीपक का माँज धोकर चमका कर नई श्वेत रुई की बाती डाली दी जाती है, जो जलते ही वातावरण को उज्ज्वल, निर्मल श्वेत प्रकाश से जगमगा देती है।

समय बदलेगा, युग बदलेगा, बदलते युग तक भौतिकवाद की आंधी में स्वयं को बचाकर रखना है। बुध्दि और विवेक से भौतिकवाद की आंधी में काली आंधी के थपेड़ों को सहन कर सुखद, शान्त वातावरण में श्वास लेने की प्रतीक्षा करनी है। इसी में बुध्दिमानी है, सामाजिक न्याय है जनहित है, राष्ट्रहित है और यहाँ तक कि लोक हित है।

१) मनुष्य, मनुष्य कहलाने का अधिकारी कब नहीं रहता व क्यों ? (२)

२) दूर से सम्पन्न व खुशहाल सा प्रतीत होने वाला जीवन क्या वास्तव में खुशहाल होता है ? यदि नहीं तो क्यों ? आपके विचार से इसे वास्तव में खुशहाल कैसे बनाया जा सकता है ? (२)

३) मनुष्य के शरीर में रहने वाला ''गार्ड'' किसे बताया गया है ? क्या वह भी आज आधुनिक बन गया है ? यदि हाँ तो किस प्रकार ? (२)

४) इस गद्यांश में कुल कितने युग के बारे मे चर्चा की गई है ? ''त्रेता युग" व ''कलियुग" का तुलनात्मक विवेचन कीजिए। (२)

५) दीपक की लौ बुझते समय कैसी हो जाती है ? उसका अन्त क्या होता है ? लेखक ने इस ''लौ" के माध्यम से क्या कहना चाहा है ? (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-

१) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम लिखिए। (१)

क) शोषण ख) विमुख ग) क्षमा घ) चढ़ाव

२) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (१)

क) झूठ ख) किताब ग) उजाला

३) निम्नलिखित शब्दों में किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए- (१)

क) हरा ख) उपस्थित ग) आध्यात्मिक घ) चलना

४) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के शुद्ध रुप लिखिए। (१)

क) गृहण ख) औशधि ग) हरर्षित घ) श्रृंगार

५) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए। (१)

क) परदा डालना

ख) अंकुश लगाना

६) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए- (३)

१) तीनों अपना-अपना अधिकार जताने लगे। ('तीनों ने ' से वाक्य प्रारम्भ कीजिए)

२) प्रातःकाल के समय घूमना चाहिए। (वाक्य शुध्द कीजिए।)

३) जिसका कोई आश्रय न हो, उसको सहारा दो। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए।)

Section – B (40 marks)

Attempt four questions from this sections you must answer at least one question from each of the two books. You have studied and any two other questions from the same books that you have chosen.

साहित्य – सागर

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

''अभी सच और झूठ का पता चल जाएगा। अब सारी बात हलवाई के सामने ही कहना।

क) प्रस्तुत वाक्य का वक्ता कौन है ? श्रोता का परिचय भी लिखिए। (२)

ख) 'अभी सच और झूठ का पता चल जाएगा' बाबू जी के इस कथन के पीछे छीपे सन्दर्भ को स्पष्ट रुप में लिखिए। (२)

ग) वक्ता ने श्रोता से ऐसा क्या कहा जो उसके चेहरे का रंग उड़ गया ? श्रोता की प्रतिक्रिया भी लिखिए। (३)

घ) श्रोता के झूठ बोलने का पता चलने पर वक्ता ने श्रोता के साथ कैसा व्यवहार किया ? उनका व्यवहार आपको कैसा लगा ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

पर उससे मैके की निन्दा नहीं सही जाती। आनन्दी मुँह फेर कर बोली, ''हाथी मरा भी तो नौ लाख का।"

क) लेखक ने स्त्रियों के विषय में क्या बात विशेष रुप से कही है ? अपने शब्दों में लिखिए। (२)
ख) ''हाथी मरा भी तो नौ लाख का " इस कथन में आनन्दी ने हाथी शब्द का प्रतीकात्मक प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों ? (२)
ग) प्रस्तुत अवतरण में नोंक –झोंक किसके बीच हो रही है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (३)
घ) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? स्पष्ट कीजिए। (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

पूरी बात तो अब पता नहीं लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारो की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत, अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनाविधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा।

क) वह 'पूरी बात' कौन सी थी ? उस बात का न पता होने का कारण भी लिखिए। (२)
ख) 'स्थानीय कलाकार' कौन है ? उसका परिचय दीजिए। (२)
ग) इस मूर्ति में आई कमी को किसने पूरा किया ? वह कौन था ? उसके बारे में लिखिए। (३)
घ) गद्यांश के आधार पर हालदार साहब की स्वभावगत विशेषताओं का चित्रण कीजिए। (३)

पद्य –विभाग

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिंठकी, घूँघट सरखाए।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

क) पेड़ों के झुकने से कवि किस भाव को अभिव्यक्त करना चाहते हैं ? समझाकर लिखिए। (२)
ख) धूल किसका प्रतीक है ? वह क्या उठाकर भागी और क्यों ? समझाकर लिखिए। (२)
ग) 'मेघ आए' कविता में 'मेघ शब्द किसका प्रतीक है ? कविता ग्रामीण-संस्कृति की मनोहारी झलक किस प्रकार प्रस्तुत करती है ? समझाकर लिखिए। (३)
घ) शब्दार्थ लिखिए- (३)

१) उचकाए २) बाँकी ३) चितवन
४) ठिंठकी ५) मेघ ६) सरखाए

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थीं सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता,
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युध्दभूमि मेरी, वह बुध्दभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

१) यहाँ राम और सीता का उल्लेख क्यों किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) श्री कृष्ण ने किस ग्रंथ में किसे, क्या उपदेश दिया था ? स्पष्ट कीजिए। (२)
३) गौतम कौन थे ? उन्होंने मानवता को दुखों से छुटकारा दिलाने के लिए क्या सन्देश दिया ? उन्होंने संसार को दीपक कैसे दिखाया ? (३)
४) कवि ने भारत को अपनी जन्मभूमि और मातृभूमि क्यों कहा है ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न १०. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

प्रभु के दिये हुए सुख इतने
हैं विकीर्ण धरती पर
भोग सकें जो उन्हें जगत में,
कहाँ अभी इतने नर ?
सब हो सकते तुष्ट, एक सा
सब सुख पा सकते हैं
चाहें तो पल में धरती को
स्वर्ग बना सकते हैं।

क) 'कहाँ अभी इतने नर' पंक्ति से कवि क्या समझाना चाहते हैं ? (२)
ख) धरती को स्वर्ग बनाने से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। (२)
ग) प्रभु के बनाए संसार में सुख के साधनों की उपलब्धि और उनका उपभोग करने वाले मनुष्यों के अनुपात के विषय में कवि क्या कहते हैं ? क्या यह कथन आज की परिस्थितियों में भी लागू होता है ? स्पष्ट कीजिए। (३)
घ) यहाँ किनके तुष्ट होने की बात की जा रही है ? वे क्यों तुष्ट नहीं हैं ? वे क्या पाकर सन्तुष्ट हो सकते हैं ? समझाइए। (३)